

ROBINSONS

ON THE MOVE

ज्ञान एवं विश्वास में अन्तर :-

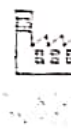
ज्ञान	विश्वास
(1) ज्ञान बहुवचन तथा लोच द्वारा प्राप्त होता है	(1) विश्वास एक मानसिक कृत्य है
(2) ज्ञान प्राप्त कर दूसरों को शिक्षा देता है और अपने ज्ञान को अपनी पहचान की सीढ़ी से प्राप्त करता है	(2) विश्वास व्यक्तिगत परक होती है जो विश्वास रखने वाला व्यक्ति को ही प्रकट नहीं दिखे अन्य को भी नहीं
(3) ज्ञान को प्रमाणित किया जा सकता है क्योंकि यह वैज्ञानिक प्रयोग विधियों निरीक्षण परिक्षण से बनाया जाता है	(3) विश्वास को वैज्ञानिक नहीं कहा जा सकता है विश्वास का निरीक्षण परिक्षण नहीं होता है
(4) ज्ञान सामुदायिक इच्छाओं को पूरा करता है	(4) विश्वास व्यक्तिगत परक होता है
(5) ज्ञान आवश्यक एवं उपयोगी है	(5) विश्वास न आवश्यक है न उपयोगी

ROBINSONS

ON THE MOVE

मैंने गैरवास्तव कहा गया है (प्रतिभाषित - ऐसा वाक्य जो सत्य
 नहीं हो सकता है और असल भी) इस Belief का मैं
 किसी व्यक्ति या विवर को भी मान सकता हूँ
 लेकिन Belief that मैं कोई बड़ा प्रतिभाषित नहीं
 किसी के कहने में गैरवास्तव जिसके लिए हम तर्क
 कर सकते हैं परन्तु Belief का जो आवश्यक तत्व
 जो लगभग विरोध है कोनसे अनुमान पर
 निर्भर करना लेकिन तर्क नहीं कर सकते हैं
 जैसे एक उदाहरण Belief का मैं अपने अपने
 विश्वास पर विश्वास है कि मैंने वे सही रहे
 विरोधों अब Belief that जो उदाहरण मैंने
 विश्वास है कि मैंने सही हुए हैं जो मैंने
 कहानों के कहने को माना है कि मैंने सही
 सुनी है कि मैंने जो उत्तर देना कोनसे
 मैंने सही उत्तर सुनी लिए हैं कि मैंने
 कोनसे मैंने उत्तर है Belief in मैंने सही
 संबंधित हैं कि Belief that मैंने सही
 समाहित हैं।

मान और विश्वास के संबंध
 उत्तर मान विश्वास से महत्त्व रखता
 रखता एक एक केही तर्क का मान नहीं
 कहा जाना एक एक उत्तरों के लिए नहीं
 या समाहित सिद्ध नहीं होती हैं।



Page 212

Date :

ROBINSONS

ON THE MOVE

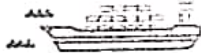
मान एवं विश्वास में अंतर

Difference between knowledge and belief

मान के विषय में हम पूर्ण रूप से पक्के होते हैं जब हम विश्वास के क प्रमाण से होते हैं।
विश्वास क्या है? What is belief? मानव जीवन विश्वास पर ही चल रहा है। विश्वास मन की आकृति होती है या आत्मिक अनुभवों के प्राप्त मन की वह गहराई है जिसमें वह अपने द्वारा माना जाता है। वास्तविकता की शक्ति के रूप में स्वीकार करना है। विश्वास की संरचना पूरी से गहरा रूप से गह वास्तविकता के माने आकाशकारिता का भाव प्रमाण सामान्य है यह निर्दिष्ट विषय की शक्ति को माना है या भरोसा जिसे व्यक्ति का ईश्वर या स्वयं के प्राप्त है। इस Belief को दो वर्गों में विभाजित किया गया है (I) Belief in (II) Belief that
जहाँ हम इन दोनों की प्रयोग पर ध्यान देते हैं कि हम मानव को ईश्वर पर जब हम विश्वास करते हैं तब हम Belief in का प्रयोग करते हैं या कहते हैं परन्तु Belief that का प्रयोग किसी प्रतीति



IMPORT & EXPORT



SHIPPING & STEAM

